Gin Gin Ke Stuti Karu

गिन गिन के स्तुति करूँ,
बेशुमार तेरे दानों के लिये,
अब तक तूने संभाला मुझे,
अपनी बाहों में लिये हुए

तेरे शत्रु का निशाना,
तुझ पर होगा ना सफलगिन
गिन के स्तुति करूँ,
बेशुमार तेरे दानों के लिये,
अब तक तूने संभाला मुझे,
अपनी बाहों में लिये हुए

तेरे शत्रु का निशाना,
तुझ पर होगा ना सफल
आँखों की पुतली जैसे,
वो रखेगा, तुझे हर पल
गिन गिन के स्तुति करूँ,

आँधीयाँ बन के आयें,
जिन्दगी के फिकर,
कौन है तेरा खेवनहारा,
है भरोसा तेरा किधर
गिन गिन के स्तुति करूँ,

InstaAstro

आये जो तुझको मिटाने,
वो शस्त्र हों बेअसर,
तेरा रचने वाला तुझपर,
रखता है अपनी नजर
गिन गिन के स्तुति करूँ,
आँखों की पुतली जैसे,
वो रखेगा, तुझे हर पल
गिन गिन के स्तुति करूँ,

आँधीयाँ बन के आयें,
जिन्दगी के फिकर,
कौन है तेरा खेवनहारो,
है भरोसा तेरा किधर
गिन गिन के स्तुति करूँ,

आये जो तुझको मिटाने,
वो शस्त्र हों बेअसर,
तेरा रचने वाला तुझपर,
रखता है अपनी नजर
गिन गिन के स्तुति करूँअ

InstaAstro